मूल हिंदी

**भारत सरकार**
**आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय**
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न सं0 734**
**06 फरवरी, 2020 को उत्तर के लिए**

**मेट्रो रेल लाइन बिछाने का ठेका**

**734. श्री गोपाल शेट्टीः**

क्या **आवासन और शहरी कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेगें किः

(क) क्या देश में मेट्रो रेल लाइन बिछाने का ठेका विदेशी कंपनियों को दिया गया है;

(ख) यदि हां, तो उन कंपनियों के नाम क्या है और उक्त कंपनियां किन-किन देशों की हैं;

(ग) उक्त कंपनियों को मेट्रो रेल लाइन बिछाने का ठेका राज्य-वार, स्थान-वार किन-किन स्थानों पर दिया गया है;

(घ) क्या देश में मेट्रो रेल लाइन बिछाने में विशेषज्ञता रखने वाली कंपनियों की कमी है; और

(ङ) यदि नहीं, तो विदेशी कंपिनयों को उक्त अनुबंध देने का कारण क्या है?

**उत्तर**
**आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**
**(श्री हरदीप सिंह पुरी)**

(क) से (ग) : मेट्रो रेल कम्पनियों की स्थापना भारत सरकार संबंधित राज्य सरकार के 50:50 के संयुक्त उद्यम के रूप में की गई। ये कंपनियां मेट्रो रेल लाइन बिछाने के लिए या तो भारतीय कम्पनियों, विदेशी कम्पनियों अथवा भारतीय एवं विदेशी कम्पनियों के संयुक्त उद्यमों को संविदाएं आबंटित कर सकती है। नोएडा – ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो रेल लाइन का एक भाग बिछाने का केवल एक कार्य दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) द्वारा एकमात्र बोलीदाता अर्थात फ्रांस की मैसर्ज ईटीएफ को आबंटित किया गया है।

(घ) से (ड़) : अनेक भारतीय कम्पनियां मेट्रो रेल लाइनें बिछाने के कार्य  में सक्षम हैं। मेट्रो रेल लाइनें बिछाने के लिए निविदाएं प्रतियोगी बोली के माध्यम से आबंटित की जाती हैं जहां विदेशी कम्पनियों को निविदा संबंधी अन्य शर्तों के अध्यधीन बोली लगाने  और संविदा प्राप्त करने के लिए कोई बाधा नहीं है।

*****